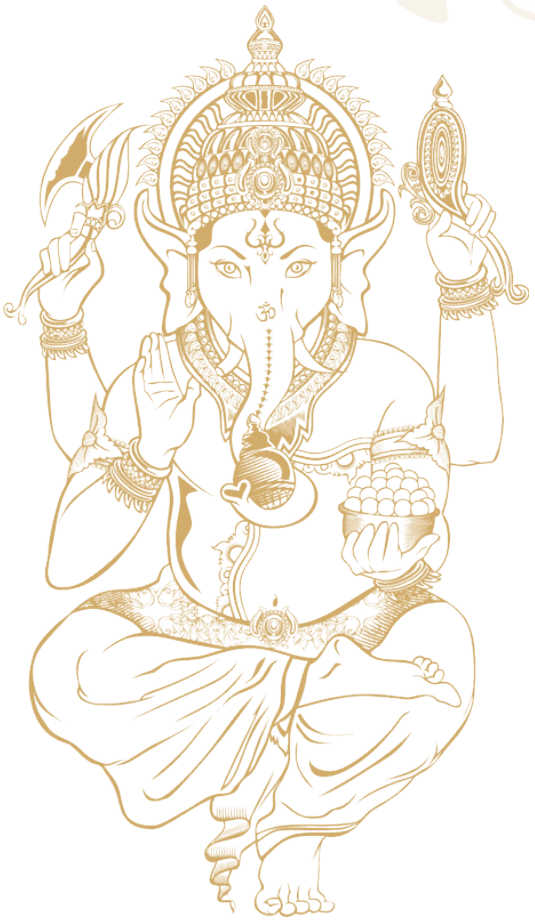

Harsh nisha ji

Vibhooti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119180902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/07/1997	जन्म तिथि	12/09/1998
गुरुवार	दिन	शनिवार
घंटे 10:10:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 10:41:15	जन्म समय(घटी)	31:11:32 घटी
India	देश	India
Kota Barrage	स्थान	Kota Barrage
25:06:00 उत्तर	अक्षांश	25:06:00 उत्तर
75:51:00 पूर्व	रेखांश	75:51:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:36	स्थानिक संस्कार	-00:26:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:53:30	सूर्योदय	06:11:23
19:12:01	सूर्यास्त	18:34:08
23:49:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 15वर्ष 9मा 13दि	10:25:54	कन्या	लग्न	कुंभ	28:54:32	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि
गुरु	14:11:47	कर्क	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु
14/05/2013	08:18:22	मिथु	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009
14/05/2029	27:42:41	कन्या	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027
गुरु 02/07/2015	11:10:45	सिंह	बुध	सिंह	14:01:36	राहु 09/10/2011
शनि 13/01/2018	24:23:14	मक व	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु 04/03/2014
बुध 19/04/2020	15:22:07	सिंह	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि 08/01/2017
केतु 26/03/2021	26:32:09	मीन	शनि व	मेष	09:08:01	बुध 28/07/2019
शुक्र 25/11/2023	26:43:37	सिंह व	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु 15/08/2020
सूर्य 13/09/2024	26:43:37	कुंभ व	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र 15/08/2023
चन्द्र 13/01/2026	12:49:06	मक व	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य 09/07/2024
मंगल 19/12/2026	04:28:44	मक व	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र 08/01/2026
राहु 14/05/2029	09:03:10	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल 26/01/2027

लग्न-चलित

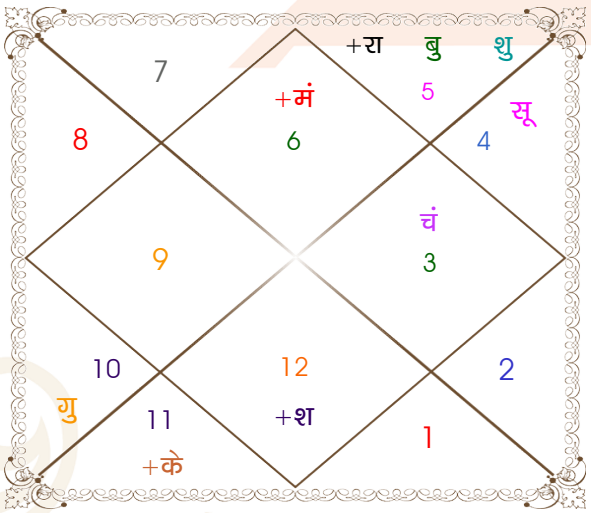

लग्न-चलित

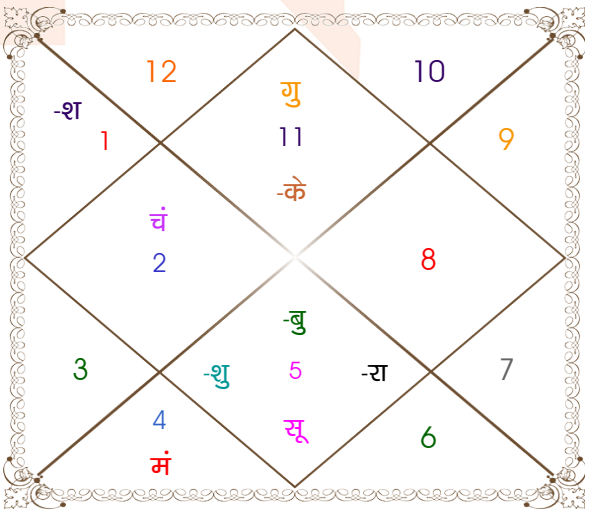

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

भंती दर्पी रप का वर्ग मार्जार है तथा टपड्डीववजप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार भंती दर्पी रप और टपड्डीववजप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

भंती दर्पी रप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

टपड्डीववजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि टपड्डीववजप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

भंती दर्पी रप तथा टपड्डीववजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।